1 आराधना



वसंत बापट

(जन्म : सन् 1922, निधन : 2002 ई.)

श्री वसंत बापट ख्यातनाम कवि हैं, आपका जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले के कराड नामक गाँव में हुआ था । पूणे आपकी कर्मभूमि है । राष्ट्रसेवादल में आप अग्रणी रहे हैं । व्यवसाय से प्राध्यापक रहे। आपके काव्यों में राष्ट्रभक्ति, समाज जागरण एवं मानवीय संवेदनाएँ व्यक्त हुई हैं । सेतु, बिजली, सकीना, अकरावी (ग्यारहवीं) दिशा, तेजसी आपकी रचनाएँ हैं।

प्रस्तुत प्रार्थना मे 'सत्यं शिवं सुंदरम्' की भावना के साथ दीन-दुखियों की रक्षा करना, मानवता की उपासना करना, भेदभावों को दूर करना, बैरभाव से मुक्त हो कर विश्वबन्धुत्व की स्थापना करना- जैसे वैश्विक मूल्यों को हस्तान्तरण करने की प्रेरणा देनेवाली यह प्रार्थना मराठी से अनुदित है ।

देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना।
सत्य-सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना॥

दुखियारों का दु:ख जाए, है यही मनकामना।
वेदना को परख पाने जगाएँ संवेदना॥
दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना॥

जीवन में नवतेज हो, अंतरंग में भावना।
सुंदरता की आस हो मानवता की हो उपासना॥
शौर्य पावें, धैर्य पावें, यही है अभ्यर्थना॥

भेद सभी अस्त होवें, वैर और वासना॥
मानवों की एकता की पूर्ण हो कल्पना।
मुक्त हम, चाहें एक ही बंधुता की कामना॥

शब्दार्थ और टिप्पणी

प्रार्थना निवेदन करना, भक्ति एवं श्रद्धापूर्वक ईश्वर की माँगना **मांगल्य** मंगलकारी **नित्य** निरंतर, प्रतिदिन, हर-रोज **आराधना** पूजा **वेदना** कष्ट, व्यथा **परख** गुण-दोष को निश्चित करने की परीक्षा **संवेदना** अनुभूति, सहानुभूति **दुर्बल** कमज़ोर **साधना** उपासना, आराधना **अंतरंग** शरीर के भीतरी अंग (मन, मस्तक) **आस** आशा, भरोसा, सहारा, कामना **मानवता** मनुष्यता **आसना** आराधना, भक्ति **धैर्य** धीरता, धीरज, सब्र **अभ्यर्थना** अनुरोध, बिनती **अस्त** ओझल, अंत, नाश, समाप्त **बैर** दुश्मनी, शत्रुभाव **वासना** कामना

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) कवि नित्य कैसी आराधना चाहते हैं ?
(2) कवि किसकी मनोकामना चाहते हैं ?
(3) कवि दुर्बलों के रक्षणार्थ किसकी साधना चाहते हैं ?
(4) कवि किसकी अभ्यर्थना करते हैं ?
(5) कवि कैसी बंधुता की कामना करते हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(1) कवि कैसे मांगल्य की आराधना करते हैं ?

(2) कवि के अनुसार किसके दु:ख दूर होने चाहिए ?

(3) कवि की क्या अभ्यर्थना हैं ?

(4) कवि भेदों को नाश करने की बात क्यों करते हैं ?

3. निम्नलिखित काव्यपंक्तिओं का आशय स्पष्ट कीजिए :

(1) देहमंदिर चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना।
सत्य सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना॥

(2) भेद सभी अस्त होने बैर और वासना
मानवों की एकता की पूर्ण हो कल्पना
मुक्त हमें चाहे एक ही बंधुता की कल्पना॥

4. काव्यपंक्तिओं को पूर्ण कीजिए :

(1) देहमंदिर चित्तमंदिर एक ही.....
.....
पौरुष की साधना।।

(2) जीवन में नवतेज हो.....
.....
बंधुता की कामना॥

5. विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

(1) दु:ख (2) जीवन (3) सत्य (4) सुंदर (5) अस्त

योग्यता-विस्तार

विद्यार्थी-प्रवृत्ति

- पठित प्रार्थना गीत को कंठस्थ कीजिए।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- 'आराधना' प्रार्थना गीत का समूहगान करवाइए।
  अन्य भाषाओं के प्रार्थना-गीतों का छात्रों से संकलन करवाइए।

●